हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2025-26)

कक्षा-: 11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 645

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
   i) 20 अंकों की प्रायोगिक/क्रियात्मक पुस्तिका।
   ii) किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iii) किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iv) किसी एक राग और किसी एक ताल के (एक सरगम गीत, एक झाला तथा एक विलबिंत गत सहित) के क्रियात्मक ज्ञान के लिए 15 अंक।
   v) भजन,राष्ट्रीय गान (अपने वाद्य पर) के मौखिक ज्ञान तथा क्रियात्मक परीक्षा के लिए 05 अंक।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:
   i) 06 अंकों के लिए तीन SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
   ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   iii) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।
   iv) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

v) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2025-26)

कक्षा-: 11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 645

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	संगीत (परिचय एवं परिभाषाएं)	06
2	गायन वादन शैलियां	03
3	थाट तथा राग	03
4	उत्तरी तथा दक्षिणी भारतीय स्वरलिपि पद्धति	03
5	तालों का अध्ययन	03
6	रागों का अध्ययन	12
7	संगीतज्ञों के जीवन परिचय	
8	संगीत का इतिहास	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		**100**

1. **संगीत (परिचय एवं परिभाषाएं)**

- संगीत की परिभाषा
- संगीत का परिचय
- संगीत के प्रकार
- सुगम संगीत व शास्त्रीय संगीत
- लोक संगीत की विवेचना
- ध्वनि की परिभाषा
- नाद, नाद की परिभाषा, अर्थ,प्रकार, नाद के लक्षण तथा महत्व
- श्रुति का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- श्रुति स्वर स्थापना
- स्वर, स्वर के प्रकार, शुद्ध व विकृत स्वर
- सप्तक, सप्तक के प्रकार

2. **गायन वादन शैलियां**

- गीत की परिभाषा व भाग
- लक्षण गीत
- सरगम गीत
- झाला तथा उसकी विशेषताएं
- गत कीपरिभाषा, प्रकार तथा अन्य विशेषताएं
- निबद्ध तथा अनिबद्ध गान

3. **थाट तथा राग**

- थाट की परिभाषा नियम तथा विशेषताएं
- राग की परिभाषा नियम तथा विशेषताएं

4. **उत्तरी तथा दक्षिणी भारतीय संगीत पद्धति**

- स्वर लिपि की परिभाषा तथा प्रकार

- उत्तरी भारतीय संगीत पद्धति के अविष्कारक तथा चिन्ह
- दक्षिणी भारतीय संगीत पद्धति के अविष्कारक तथा चिन्ह
- दोनों पद्धतियों में समानताएं तथा असमानताएं
- स्वरलिपि पद्धति के लाभ तथा हानियां

5. तालों का अध्ययन

- लयतथा ताल की परिभाषा
- तीन ताल,कहरवा, रूपक और दादरा
  (उपरोक्त तालों का शास्त्रीय परिचय,1गुण तथा 2 गुण) क्रियात्मक ज्ञान के साथ

6. रागों का अध्ययन

- राग आसावरी
- राग जौनपुरी
- राग यमन
  (उपरोक्त रागोंकी द्रुत गत,स्वरलिपी,आरोह, अवरोह, पकड़, दो अलाप, दो तोड़े सहित)
- रागों में अलंकारों का निर्माण तथा उनका नियमित अभ्यास।
- दिए गए स्वर समूह से राग पहचानना।
- किसी भी एक राग में एक सरगम गीत, एक झाला व एक विलबिंत गत।

7. संगीतज्ञों के जीवन परिचय

- पन्ना लाल घोष
- निखिल बनर्जी
- पं. रविशंकर

8. संगीत का इतिहास

- वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक संगीत रत्नाकर सहित

<u>क्रियात्मक संगीत</u>

- निम्नलिखित रागों का द्रुत गत,(आलाप तथा तोड़ो सहित)

- राग आसावरी
- जौनपुरी
- यमन
    - (प्रत्येक राग में कम से कम एक द्रुत गत)
    - पाठ्यक्रम में दिए गए रागों में से किसी भी एक राग में कम से कम 1 विलम्बितगत,एक सरगम गीत तथा एक झाला
- एक भजन
- राष्ट्रीय गान (अपने वाद्य पर)
- तीन ताल, कहरवा, रूपक ताल, दादरा ताल में 1 गुण तथा 2 गुण हाथ पर बजा कर

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2025-26)

कक्षा-: 11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 645

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	संगीत,ध्वनि,नाद, श्रुति,स्वर, स्वर के प्रकार, सप्तक सप्तक के प्रकार,अलंकार की परिभाषाएं। लोकसंगीत, सुगम संगीत, शास्त्रीय संगीत	12	08	04
मई	गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत, तराना ख्याल, निबद्ध गान तथा अनिबद्धगान 1 भजन (क्रियात्मक रूप में)	12	08	04
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	थाट तथा राग तीनताल, राग आसावरी,	10	05	09
अगस्त	उत्तर तथा दक्षिणी भारतीय स्वरलिपि पद्धति राष्ट्रीय गान (अपने वाद्य पर) क्रियात्मक रूप में	12	06	06
सितंबर	**दोहराई** अर्ध वार्षिक परीक्षा		12	
अक्तूबर	कहरवा ताल,रूपकतथा दादरातात (1 गुण तथा 2 गुण सहित) विद्यार्थी ताल को हाथ पर बजाने में सक्षम हो।	08	04	12

	जौनपुरी तथा यमन का शास्त्रीय परिचय आरोह, अवरोह, पकड़ सहित			
नवंबर	दिए गए स्वर समूह में से राग पहचानना प्रत्येक राग के प्रत्येक राग की द्रत गत की बदिंश स्वरलिपि तथा आलाप व तोडे उपरोक्त किसी भी एक राग में विलंबित गत, 1 सरगम गीत तथा 1 तराना तथा एक झाला (प्रायोगिक ज्ञान के साथ)	08	04	12
दिसंबर	पन्ना लाल घोष निखिल बनर्जी पं. रविशंकर का जीवन परिचय	12	06	06
जनवरी	वैदिक काल से 12वीं शताब्दी तक संगीत रत्नाकर सहित	06	04	06
फ़रवरी	**दोहराई**			
मार्च	वार्षिक परीक्षा			

नोट:

- **विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।**

प्रश्न पत्र प्रारूप(2025-26)

कक्षा-: 11वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 645

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**01**	**08**	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न 02 एक शब्दीय प्रश्न।	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**02**	**04**	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**03**	**03**	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	**05**	**01**	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
	कुल	**16**		**30**

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2025-26)

Class- 11th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) Code:645

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.

2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.

3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.
   - i) Practical Booklet of 20 marks.
   - ii) 5 marks for viva about classical knowledge of any one raga
   - iii) 5 marks for viva about classical knowledge of any one taal.
   - iv) 15 marks for working knowledge of anyone Raga and any one Taal (including one Sargam Geet, one Jhala and one Vilmbit Gat).
   - v) 05 marks for oral knowledge and practical test of Bhajan, National Anthem (on own instrument).

4. For Internal Assessment:

   There will be Periodic Assessment that would include:

   - i) For 6 marks- Three SAT exams will be conducted and will have a weightage of 06 marks towards the final Internal Assessment.
   - ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
   - iii) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).
   - iv) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.
   - v) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks

Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2025-26)

Class- 11th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) Code:645

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Music (Introduction and Definitions)	06
2	Singing and Playing styles	03
3	Thaat and raga	03
4	North and South Indian Notation system	03
5	Study of Taalas	03
6	Study of Raagas	12
7	Biographies of musicians	
8	History of music	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		**100**

1. Music (Introduction and Definitions)

- Definition of Music
- Introduction to Music
- Types of Music
- Light music and classical music
- Interpretation of folk music
- Definition of Sound
- Sound, definition of sound, meaning, types, characteristics and imporTodece of sound
- Literal meaning and definition of Shruti
- Shruti Swar Establishment
- Swara, types of Swara, pure and distorted (Shudh and Vikrit) Swara
- Saptak, Types of Saptak

2. Singing and playing Styles

- Definition and parts of a song
- Lakshan geet
- Sargam Geet
- Jhala and its features
- Gat, literal meaning of Gat, definition, types and other features
- Nibadh gaan and aanibadh gaan

3. Thaat and Raag

- Definition, rules and features of Thaat
- Definition, rules and characteristics of raga

4. Northern and Southern Indian Music Systems

- Definition and types of Notation

• Inventors and Symbols of North Indian Music System

• Inventor and symbol of South Indian music system

• Similarities and differences between the two methods

• Advantages and Disadvantages of Swarlipi System

5. Study of Taalas

• Definition of rhythm and beat

• Teen Taal, Kaharwa, Rupak and Dadra

(Classical introduction of the above talas, 1 guna and 2 guna)

6. Study of ragas

• Raga asavari

• Raag Jaunpuri

• Raga Yaman

(including swarlipi, aaroh, avaroh, pakdar, two alap, two Todas and swarlipi of the above ragas)

- Creation of Alankar in ragas and their regular practice.
- Identifying Raag from a given set of swaras.
- One sargam song, one Jhala and one Vilambit Gat in any one raga.

7. Biographies of Musicians

- Panna Lal Ghosh
- Nikhil Banerjee
- Pt. Ravi Shankar

8. Music History

• Music from Vedic period to 12th century including Ratnakar

Practical:

- Drut Gat of the following Ragas (with Aalap and Todas)
- Raag Asavari
- Jaunpuri

- Yaman
    - (At least one Drut Gat in each raga)
    - At least 1 Vilambit Gat, one sargam song and one Jhala in any one of the ragas given in the syllabus
- devotional song (Bhajan)
- National Anthem On own Instrument
- 1 guna and 2 guna in Teen Taal, Kaharva, Rupak Taal, Dadra Taal by playing on hand

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2025-26)

Class- 11th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) Code:645

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Definitions of Music, Sound, Naad, Shruti, Swar, Types of Swar, Saptak Saptak, Alankar. Folk Music, Light Music, Classical Music	12	08	04
May	Geet, Lakshan Geet, Sargam Geet, Jhala Gat, Nibaddha Gaan and Anibaddha gaan One Bhajan (in active form)	12	08	04
June	Summer Vacation (Activity to be assigned)			
July	thaat and raag Teental, Raag Aasavari,	10	05	09
August	north and south indian Notation system National Anthem (On own Instrument) in Action	12	06	06
September	Revision Half Yearly Exam		12	
October	Kaharva Tal, Rupak and Dadratal (with 1 gun and 2 gun) The student should be able to play the taal on hand.	08	04	12

	Classical introduction to Jaunpuri and Yaman with Aaroh, Avaroh, Pakad			
November	Identifying a Raag from a given set of notes Bandish swaralipi and alap and Tode of Dhrut Gat of each raga Vilambit Gat in any one of the above Ragas, 1 Sargam Geet and 1 Jhala (with practical knowledge)	08	04	12
December	Biography of • Panna Lal Ghosh • Nikhil Banerjee • Pt. Ravi Shankar	12	06	06
January	History of Music from the Vedic Period to the 12th Century with Sangeet Ratnakar	06	04	06
February	Revision			
March	Annual Examination			

Note:

- **Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.**

Question Paper Design(2025-26)

Class- 11th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) Code:645

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	**01**	**08**	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One word questions	**08**
Very short answer type questions	**02**	**04**	Internal choice will be given in all questions.	**08**
Short answer questions	**03**	**03**	Internal choice will be given in all questions.	**09**
Long answerable Question	**05**	**01**	Question will be given with internal choice	**05**
	Total	**16**		**30**